



प्रकाशन

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



फिर यीशु ने उनसे कहा, “इसलिए हर एक शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य का चेला बना है, उस गृहस्थ के समान है जो अपने भण्डार से नई और पुरानी वस्तुएँ निकालता है।”

मत्ती 13:52 (IRV)

विषय-सूची

[स्वर्ग राज्य का शास्त्री](#) [लेखों का क्रमांकन कैसे होता है](#) [इन्हें कैसे पढ़ें](#) [RSS के द्वारा जुड़े रहें](#) [शृंखलाएँ, विषय और खंड](#)
[लेख](#)



स्वर्ग राज्य का शास्त्री

बिशप Garland F. Byers, Jr. कलीसिया के एक बिशप हैं। बिशप के रूप में उनकी बुलाहट किसी मण्डली की पासबानी करने या किसी झुण्ड की रखवाली करने की नहीं है, और न ही पादरी-वर्ग का सामान्य सेवकाई-कार्य करने की। यह वह बुलाहट है जिसका वर्णन प्रभु ने इन शब्दों में किया: स्वर्ग के राज्य के शास्त्री के रूप में सेवा करना।

यीशु के दिनों में, और उससे बहुत पहले भी, परमेश्वर के लोगों के बीच शास्त्री होते थे। उनका पद परमेश्वर के वचन को लिखित रूप में सुरक्षित रखना और उसकी शिक्षा देना था, ताकि लोग उसे समझ सकें। एज़ा “मूसा की व्यवस्था के विषय ... निपुण शास्त्री था” (एज़ा 7:6), जिसने “यहोवा की व्यवस्था का अर्थ जान लेने, और उसके अनुसार चलने, और इस्राएल में विधि और नियम सिखाने के लिये अपना मन लगाया था” (एज़ा 7:10)। जब लोगों के सामने व्यवस्था पढ़ी गई, तब “उन्होंने परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक से पढ़कर

अर्थ समझा दिया; और लोगों ने पाठ को समझ लिया” (नहेम्याह 8:8)। स्वयं प्रभु ने ऐसे लोगों को भेजने की प्रतिज्ञा की: **“इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ताओं और बुद्धिमानों और शास्त्रियों को भेजता हूँ”** (मत्ती 23:34)।

स्वर्ग के राज्य का चेला बना शास्त्री परमेश्वर के वचन के भण्डार से नई और पुरानी वस्तुएँ निकालता है। वह विश्वास की पुरानी सच्चाइयों को फिर से स्मरण दिलाता है, और परमेश्वर के लोगों के लाभ के लिए नई बातें प्रस्तुत करता है। वह अपनी शक्ति से नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा के द्वारा लिखता है, जिनके विषय में प्रभु ने कहा, **“वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा”** (यूहन्ना 14:26)।

यहाँ संकलित लेख उसी बुलाहट का फल हैं। बिशप बायर्स जैसी अगुवाई पाते हैं, वैसे ही लिखते हैं, उन विषयों पर जिनकी समय और विश्वासियों को आवश्यकता हो, चाहे वह शिक्षा का कोई एक बिंदु हो, संकट के समय का कोई वचन हो, या अनेक भागों में चलने वाला कोई विस्तृत अध्ययन हो।



लेखों का क्रमांकन कैसे होता है

प्रत्येक लेख को उसके प्रकाशन के क्रम में एक क्रमांक मिलता है: क्रमांक 1, क्रमांक 2, क्रमांक 3, इत्यादि। यह क्रमांकन वर्ष-दर-वर्ष बिना टूटे चलता रहता है और न कभी फिर से आरंभ किया जाता है, न किसी क्रमांक का दोबारा उपयोग होता है। प्रत्येक लेख पर उसके प्रकाशन की तिथि भी अंकित होती है।

क्रमांक लेख का स्थायी संदर्भ है। वह हर भाषा और हर रूप में एक-सा रहता है, इसलिए किसी लेख का उल्लेख सदा केवल उसके क्रमांक से किया जा सकता है। यदि बाद में किसी लेख में सुधार किया जाता है, तो उसका क्रमांक वही रहता है और मूल तिथि के नीचे संशोधन की तिथि दिखाई जाती है।



इन्हें कैसे पढ़ें

प्रत्येक लेख यहाँ वेबसाइट पर पढ़ा जा सकता है और PDF के रूप में डाउनलोड किया जा सकता है। जैसे-जैसे अनुवाद पूरे होंगे, प्रत्येक लेख इस साइट की अन्य भाषाओं में भी, उसी क्रमांक के अंतर्गत, उपलब्ध होगा।



RSS के द्वारा जुड़े रहें

नए प्रकाशनों को RSS के द्वारा फ़ॉलो किया जा सकता है। यह आपकी अपनी पसंद के फ़ीड-रीडर ऐप के माध्यम से हर नए लेख की सूचना पाने का एक निःशुल्क और सरल तरीका है। किसी पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है, और न नाम, न ईमेल पता, न कोई अन्य

व्यक्तिगत जानकारी माँगी जाती है। यह सेवकाई इसका कोई रिकॉर्ड नहीं रखती कि कौन फ़ॉलो करता है, और उसके पास यह जानने का कोई साधन नहीं है कि आप कौन हैं।

फ़ीड प्रत्येक नए प्रकाशन का शीर्षक और संक्षिप्त सारांश देता है, साथ ही इस वेबसाइट पर उसे पूरा पढ़ने के लिए एक लिंक भी। इस साइट के हर पृष्ठ की तरह, यहाँ आने वालों की गिनती केवल गुमनाम कुल संख्याओं के रूप में की जाती है, जैसे कोई पृष्ठ कितनी बार पढ़ा गया और किन देशों से। कोई कुकी उपयोग नहीं की जाती, और ऐसा कुछ भी दर्ज नहीं किया जाता जिससे किसी पाठक की पहचान हो सके।

यह जान-बूझकर किया गया है। कुछ स्थानों पर मसीही लेख पढ़ना किसी व्यक्ति को ख़तरे में डाल सकता है। RSS के द्वारा कोई भी व्यक्ति अपना नाम या पता किसी के पास छोड़े बिना इन प्रकाशनों को फ़ॉलो कर सकता है।

हिंदी प्रकाशनों का RSS फ़ीड



शृंखलाएँ, विषय और खंड

कुछ लेख स्वतंत्र हैं। अन्य किसी लंबे अध्ययन के अंग हैं, जो भागों में प्रकाशित होता है, जैसे-जैसे प्रत्येक भाग पूरा होता है, ताकि विश्वासियों को पूरे अध्ययन की प्रतीक्षा किए बिना वह मिल सके। जैसे-जैसे लेखों की संख्या बढ़ेगी, उन्हें शृंखला और विषय के अनुसार भी एकत्र किया जाएगा, और समय के साथ खंडों में संकलित किया जाएगा।



लेख

लेख प्रकाशित होते ही, सबसे नए पहले, यहाँ सूचीबद्ध किए जाएँगे।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।